

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

खाद्य संस्कृति की खुशबू और मिथिला कला के रंग : मोनी मनोज वर्मा का अनूठा सफर

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



महाराष्ट्र के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल महाबलेश्वर में खाद्य संस्कृति और आतिथ्य क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के साथ-साथ भारतीय पारंपरिक कला की विरासत को संजोने का कार्य कर रही हैं मोनी मनोज वर्मा। उद्यमी, पाककला के क्षेत्र में अनुभवी पेशेवर और मिथिला चित्रकला की कलाकार के रूप में उनकी यात्रा रचनात्मकता, दृढ़ संकल्प और नए अवसरों को अपनाने की प्रेरणा देती है।

आतिथ्य क्षेत्र के अनुभव से उद्यमिता तक

होटल व्यवसाय में प्राप्त अनुभव ने मोनी वर्मा को अपनी उद्यमशील यात्रा की दिशा तय करने में मदद की। उन्होंने महाबलेश्वर स्थित एवरशाइन रिसॉर्ट एंड स्पा जैसे प्रतिष्ठित आतिथ्य संस्थानों के लिए पाककला सलाहकार के रूप में कार्य किया। इस अनुभव के दौरान उन्हें भोजन की गुणवत्ता, ग्राहकों की पसंद और बेहतर आतिथ्य सेवा के महत्व को करीब से समझने का अवसर मिला।

इसी अनुभव के आधार पर वर्ष 2025 में वह लम्बोदरा एंटरप्रायझेस एलएलपी की भागीदार बनीं। इस संस्था के माध्यम से महाबलेश्वर में वेण्णा लेक के पास स्थित 'रोहित वडेवाले फूड मॉल' का संचालन किया जाता है। लगभग 100 लोगों के बैठने की क्षमता वाला यह प्रतिष्ठान परिवारों और विभिन्न पसंद के पर्यटकों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

एक ही स्थान पर विविध स्वादों का अनुभव

'रोहित वडेवाले फूड मॉल' की अवधारणा विभिन्न खाद्य परंपराओं और स्वादों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। यहां महाराष्ट्रीयन व्यंजनों के साथ उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, चाइनीज और कॉन्टिनेंटल शैली के व्यंजनों, स्नैक्स और मिठाइयों को शामिल करने पर जोर दिया जाता है। इसके साथ ही शाकाहारी और जैन भोजन के विकल्प भी उपलब्ध कराने का प्रयास है।

महाबलेश्वर आने वाले पर्यटकों, स्थानीय निवासियों और परिवारों की अलग-अलग पसंद को ध्यान में रखते हुए विविधता पर विशेष ध्यान दिया गया है। ग्राहकों की संतुष्टि, गुणवत्तापूर्ण भोजन और आतिथ्यपूर्ण अनुभव को प्राथमिकता देना इस व्यवसाय की

कार्यशैली का हिस्सा है। इस पहल के माध्यम से मोनी वर्मा अपने आतिथ्य क्षेत्र के अनुभव को उद्यमशील अवसर में बदल रही हैं।

मिथिला चित्रकला से जुड़ाव और भारतीय परंपरा का सम्मान

व्यवसाय के साथ-साथ मोनी वर्मा की विशेष रुचि मिथिला चित्रकला में भी है। आकर्षक रंगों, बारीक रेखांकन और सांस्कृतिक प्रतीकों के लिए पहचानी जाने वाली यह पारंपरिक कला भारतीय लोककला की समृद्ध विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मोनी इस कला को समर्पण के साथ साधती हैं और इसके माध्यम से अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को एक अलग पहचान देती हैं।

नई दिल्ली में आयोजित एक प्रदर्शनी में उनकी कलाकृतियां प्रदर्शित हो चुकी हैं। यह अनुभव उनके कलात्मक सफर का महत्वपूर्ण पड़ाव है। मिथिला चित्रकला के प्रति उनका लगाव भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को जीवंत बनाए रखने की उनकी इच्छा को दर्शाता है।

उद्यमिता और कला का सुंदर संगम

मोनी मनोज वर्मा की यात्रा की विशेषता यह है कि वह व्यवसाय और कला—दोनों क्षेत्रों में अपनी रुचि और अनुभव को आगे बढ़ा रही हैं। एक ओर वह खाद्य एवं आतिथ्य क्षेत्र में ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने के लिए प्रयासरत हैं, तो दूसरी ओर मिथिला चित्रकला के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक विरासत से अपना जुड़ाव बनाए हुए हैं।

उनका सफर यह संदेश देता है कि अनुभव, रचनात्मकता और नए अवसरों को अपनाने की इच्छा के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई जा सकती है।

खाद्य संस्कृति के माध्यम से लोगों को विविध स्वादों का अनुभव देना और मिथिला कला के जरिए भारतीय परंपरा के सौंदर्य को संजोना—ये दोनों पहलू मोनी मनोज वर्मा के व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाते हैं। उनकी यात्रा उन महिलाओं के लिए प्रेरणादायी है, जो अपनी रुचियों को अवसरों में बदलकर उद्यमिता और रचनात्मकता के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती हैं।

संपर्क: 7722031959

ई-मेल : moniverma1979@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.